बालमन

कैमूर

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2023

माह फरवरी

अंक 14

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाए प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय ✍️

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

आप सभी बच्चो को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद। माह बदलने के साथ - साथ नए उत्साह के साथ हम भी नित्य नए ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने को प्रयासरत रहेंगे।आपको पता है ऐसा कोई दिन नही होता जिस दिन आपकी प्रतिभा हमे नही मिलती है।दिन - प्रतिदिन आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है।हमारा बाल मन परिवार लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अब प्रखंड स्तर पर बाल मन पत्रिका का प्रकाशन शुरू हो चुका है,जिसे आप सभी बहुत पसंद कर रहे है।हम सभी बाल मन की टीम सदैव आप सभी की प्रतिभा को सम्मानित करते हुए उसे प्रकाशित कर रहे है।आप सभी के साथ वर्ष 2022 का सफर काफी सुखद और यादगार रहा है।

पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है।आप सभी बच्चें अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहे साथ ही अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
U.M.S. सिलौटा (भभुआ) कैमूर

प्रधान सहयोगी सदस्य

विज्ञान कॉर्नर

प्रतिभा पांडे (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)

दर्शनीय स्थल की जानकारी

कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)

कहानी संग्रह

प्रमोद कुमार "निराला" (बालमन चांद के सौजन्य से)

कविता संग्रह

एम. एस. हुसैन "कैमुरी" (UHS छोटका कटरा मोहनिया)

विशेष आभार

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सभी टीम लीडर रोचक तथ्य,स्वास्थ्य सुझाव, विश्व के धरोहर,सुविचार,दिवस विशेष,खेल कॉर्नर,गणित कॉर्नर,जयंती विशेष ,दिवस प्रेरणा,पर्यावरण अध्ययन और शिक्षा शब्द कोश के लिए टीम का विशेष आभार प्रकट करते है।

सुविचार

अहंकार इंसान की वह स्थिति है, जिसमें वह अपने मूल

कर्तव्यों को भूलकर विनाश की ओर चला जाता है।

- महर्षि दयानंद सरस्वती

(आर्य समाज के संस्थापक एवं समाज सुधारक

(12 फरवरी 1824 - 30 अक्टूबर 188

Vishwa Vijay Singh

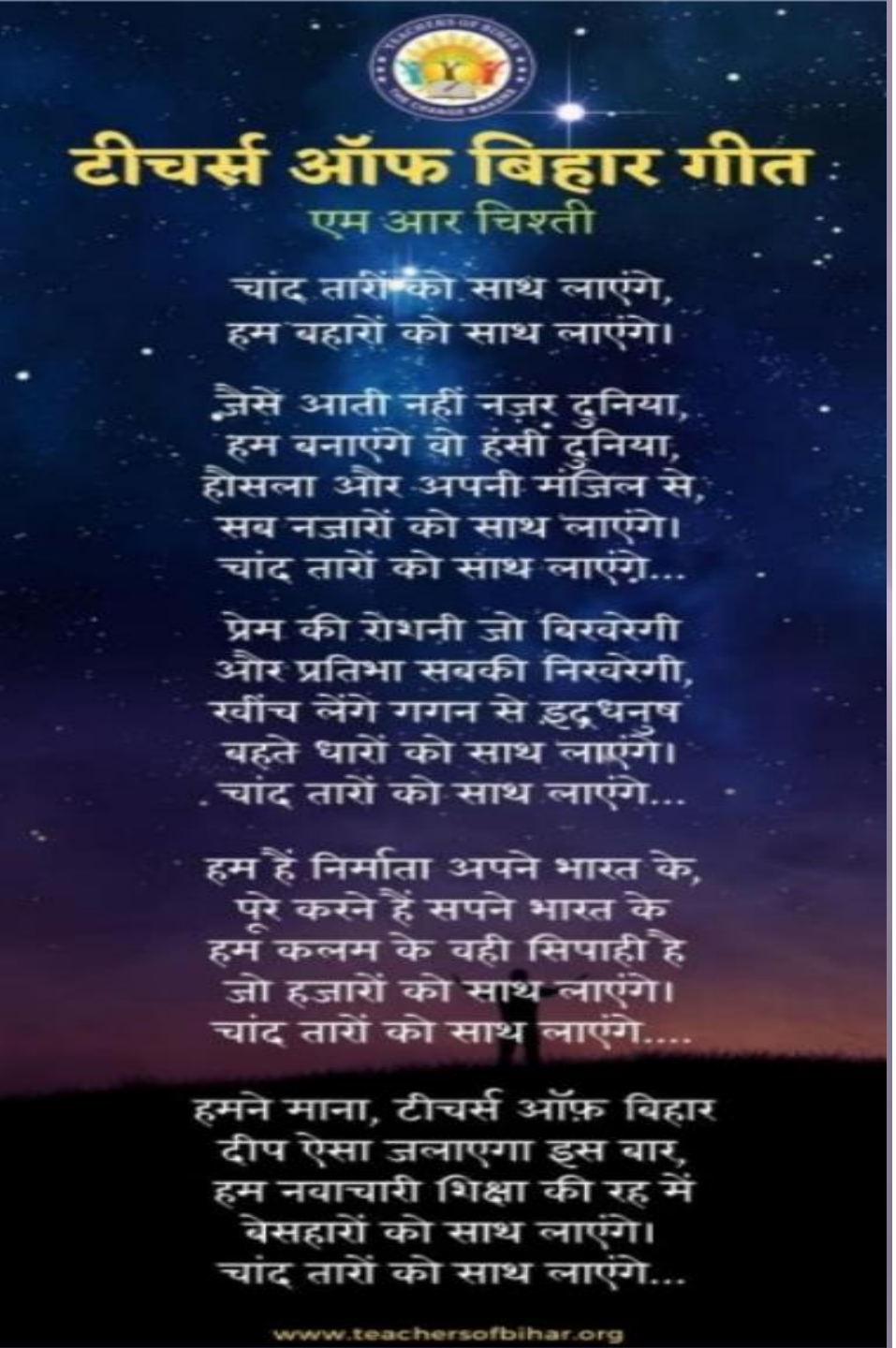

प्रेरक प्रसंग

बरगद का पेड़

किसी गांव में बरगद का एक पेड़ बहुत वर्षों से खड़ा था। गांव के सभी लोग उसकी छाया में बैठते थे, गांव की महिलाएं त्यौहारों पर उस वृक्ष की पूजा किया करती थीं। ऐसे ही समय बीतता गया और कई वर्षों बाद वृक्ष सूखने लगा। उसकी शाखाएं टूटकर गिरने लगीं और उसकी जड़ें भी अब कमजोर हो चुकी थीं। गांव वालों ने विचार किया कि अब इस पेड़ को काट दिया जाये और इसकी लकड़ियों से गृहविहीन लोगों के लिए झोपड़ियों का निर्माण किया जाये।

गांव वालों को आरी-कुल्हाड़ी लाते देख, बरगद के पास खड़ा एक वृक्ष बोला- "दादा! आपको इन लोगों की प्रवृत्ति पर जरा भी क्रोध नहीं आता, ये कैसे स्वार्थी लोग हैं, जब इन्हें आपकी आवश्यकता थी तब ये आपकी पूजा किया करते थे, लेकिन आज आपको टूटते हुए देखकर काटने चले हैं।"

बूढ़े बरगद ने जवाब दिया- "नहीं बेटे! मैं तो यह सोचकर बहुत प्रसन्न हूँ कि मरने के बाद भी मैं आज किसी के काम आ सकूंगा।"

👉शिक्षा:-*

परोपकारी व्यक्ति सदा दूसरों के प्रति करुणा का भाव रखते हैं तथा उनकी ख़ुशी और उनके सुख में अपना सुख समझते हैं।

(सोशल मीडिया से)

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

90 करोड़ का गुलाब

ये है दुनिया का सबसे महँगा गुलाब जिसका नाम **juliet rose** है। इसकी कीमत **90 करोड़** रुपए तक होती है। कीमत इतनी अधिक इसलिए है क्योंकि **david austin** नाम के व्यक्ति ने कई गुलाबों से मिला कर इसे बनाया था। ये गुलाब बेहद **मुश्किल** से उगता है इसे उगने में **15 साल** का समय लगता है।

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

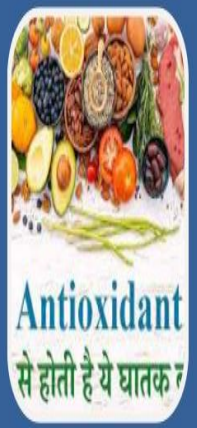

एंटीऑक्सीडेंट विटामिन: ये विटामिन शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकने वाले मुक्त कणों को घेर लेते हैं, और प्रतिरक्षा तंत्र को उद्दीप्त कर सकते हैं। दीर्घस्थायी तंत्रिकीय रोगों से ग्रस्त बहुत से लोग पूरल लेते हैं, जिनमें विटामिन ए (बीटा-कैरोटीन), सी और ई शामिल हैं। फल और सब्जियां इनके अच्छे स्रोत होते हैं। ग्रेप सीड का सत्व, को-एंज़ाइम Q10 और पिक्नोजेनॉल इनके अन्य स्रोत हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

विश्व के धरोहर

मोगाओ गुफ़ाएँ

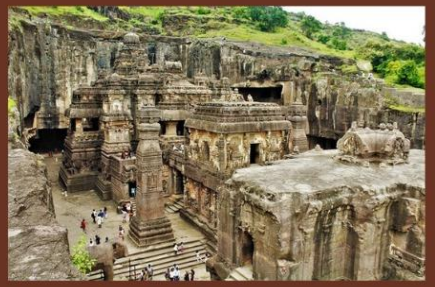

मोगाओ गुफाएँ *(Mogao Caves)*, जिन्हें हज़ार बुद्धों की गुफाएँ *(Caves of the Thousand Buddhas)* भी कहते हैं, पश्चिमी चीन के गान्सू प्रांत के दूनहुआंग शहर से २५ किमी दक्षिणपूर्व में स्थित एक पुरातत्व स्थल है। रेशम मार्ग पर स्थित इस नख़्लिस्तान (ओएसिस) क्षेत्र में ४९२ मंदिरों का एक मंडल है। इनमें १००० वर्षों के काल में गुफ़ाएँ खोदी गई। सबसे पहली गुफाएँ ३६६ ईसापूर्व में बौद्ध चिंतन और पूजा के लिए स्थान बनाने के लिए बनाई गई थी। सन् १९०० में एक गुफा में बहुत से दस्तावेज़ों का एक भण्डार मिला जो ११वीं शताब्दी में चुनवा के बंद कर दिया गया था। इसे 'पुस्तकालय गुफा' कहा जाने लगा और इसकी सामग्री दुनिया भर में बंट गई। मोगाओ की बहुत सी गुफाएँ पर्यटकों के लिए खुली हैं और यहाँ हर वर्ष बहुत से सैलानी घूमने आते हैं।

रोचक तथ्य

दुनिया का सबसे महंगा होटल रामबाग पैलेस , जयपुर में है । यहां एक रात बिताने के *7,50,000* चुकाने होते है।

अमरेन्द्र कुमार
डिस्ट्रिक्ट मेंटर (TOB)
रोहतास
09/02/2023

Madhu priya

नन्हे कलाकार भाग 1

उत्क्रमित उच्य माध्यमिक +2
बिद्यालय बैजनाथ,रामगढ

प्राथमिक विद्यालय खनेठी
रामगढ़

बाल मन चांद से संकलित

नन्हे कलाकार भाग 2

NPS bheri

बाल मन चांद से संकलित

कन्या मध्य विद्यालय चांद

🤔😳अजब - गजब😳🤔

1-हाथी के नवजात शिशु का वजन 100 से 120 किलोग्राम होता है।

2- नीली व्हेल की सीटी की आवाज सभी जानवरों में सबसे तेज होती है।

3- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका की जानकारी के अनुसार, 1896 तक, भारत दुनिया के लिए हीरे का एकमात्र स्रोत था।

4- दुनिया में सबसे पुराना झंडा डेनमार्क देश का हैं जो 13 सदी से लगाया जा रहा है।

5- बृहस्पति ग्रह इतना बड़ा होता है कि उसमे सौरमंडल के सारे ग्रह समा सकते है।

😂😂 थोड़ा मुस्कुरा भी दो!

1.टीचर : राजू बताओ की यदि किसी टोकरी में 25 आम है और 5 सड़ गए तो अब कुल कितने आम टोकरी में है ?
राजू :25
टीचर (घूरते हुए) :वो कैसे ?
राजू : सर आम सड़े है आम में ही गिने जाएंगे।सड़ने पर वो टोकरी में ही है केला नहीं बना।
🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣

2. मोहन (सोहन से) : यदि दिमाग और धन में तुम्हे कोई एक चुनना हो तो तुम क्या चुनोगे ?
सोहन : धन।
मोहन : मैं तुम्हारी जगह रहता तो दिमाग चुनता।
सोहन : पता है।जिसके पास दिमाग नही होगा तो वो दिमाग ही चुनेगा न।

🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा चांद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसहा चांद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ

हिंदी विद्यालय करवंदिया चांद

पहेलियां(राज्य नाम)

1.बापू की जन्मभूमि,कृष्ण की नगरी।
जल्दी से नाम बताओ,कर्क रेखा है गुजरी।।

2.गौतम बुद्ध ने ज्ञान यहां पाया,सीता मैया यही है जन्मी।
लिट्टी चोखा पसंद है सबको,छठ पर्व की महता दुनिया जानी ।।

3. हवामहल से देखा हमने राजा महाराजों के किले।
रेगिस्तान में तेज हवाओं से आगे अच्छे -अच्छे हिले।।

4. राम और कृष्ण की जन्मभूमि,शिव की नगरी है काशी।
संगम भूमि को जो जल्दी पहचाने ,दुनिया उसकी दीवानी।।

5. चारमीनार से पहचानिए,दक्षिण भारत का है एक राज्य।
तेलगु बोली से पहचानो, कौन सा है ये राज्य ।।

रोचक गणित

कितनी संख्याएं है ?

एक अंक की कुल 9 संख्याएं है।
दो अंकों की कुल 90 संख्याएं है।
तीन अंकों की कुल 900 संख्याएं ।
चार अंको की कुल 9000 संख्याएं है।
पांच अंको की कुल 90000 संख्याएं है।

आसान ट्रिक

जितने अंक की कुल संख्या ज्ञात करना है उसके लिए 9 अंक बहुत महत्पूर्ण है। जितने अंक की कुल संख्या ज्ञात करना है ,उससे एक कम शून्य को 9 के बाद लगा देते है।

उदाहरण :

यदि 3 अंक की कुल संख्या ज्ञात करना है तो 9 के बाद दो शून्य लगा देते है यानी 900 होगा।

यदी 5 अंक की कुल संख्या ज्ञात करना है तो 9 के बाद चार शून्य लगा देते है यानी 9000 होगा।

पेटिंग ऑफ द मंथ

सत्यम कुमार वर्ग 8
UMS बहेरिया चांद
बाल मन चांद से संकलित

नाम : शुभम कुमार
वर्ग : 7
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय
बड़हरिया चांद

आपके पेंटिग भाग 1

उर्दू प्राथमिक विद्यालय
अखलासपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय परमालपुर
भभुआ

NPS मोहमदपुर मोहनिया

आपके पेंटिग भाग 2

NPS कझार घाट
कुदरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
अर्रा मोहनियां

उर्दू प्राथमिक
विद्यालय
अखलासपुर

Urdu primary school ward 1

आपके पेंटिग भाग 3

आदित्य कुमार वर्ग 5 उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

रीमा कुमारी मध्य विद्यालय अखलासपुर

UMS बड़हरिया चांद

आपके पेंटिंग भाग 4

UMS गेहुऊआ चांद

अनीता कुमारी वर्ग 8 ums सिलौटा

उर्दू प्राथमिक विद्यालय
अखलासपुर भभुआ

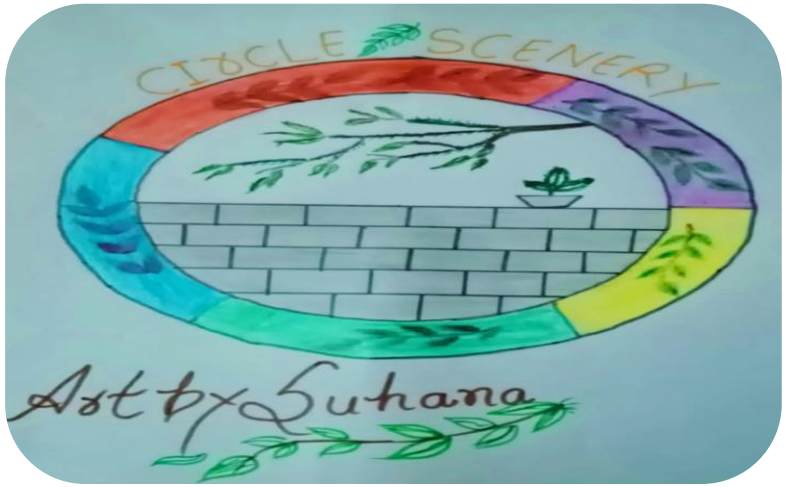

कन्या मध्य विद्यालय भभुआ

पेन और पेंसिल आर्ट

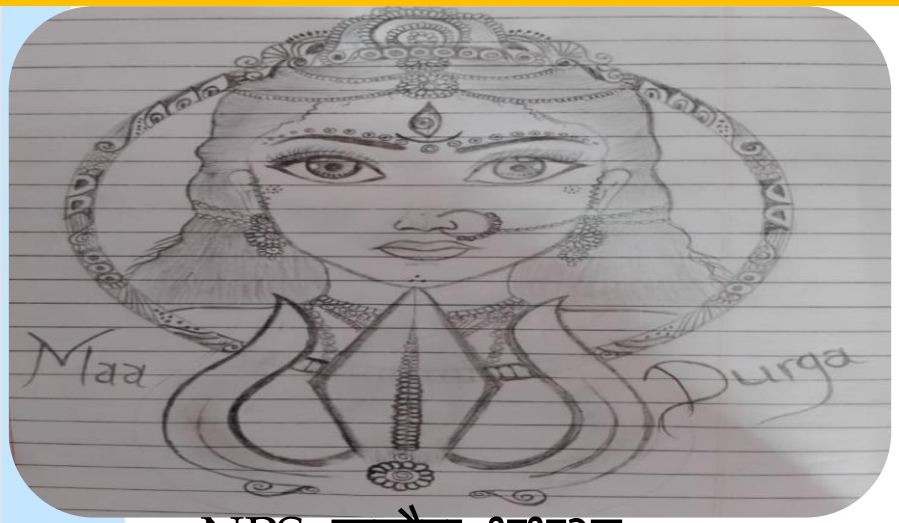

NPS कठौरा ,भभुआ

बुनियादी विद्यालय आईलाय चांद

UHS छोटका कटरा मोहनिया

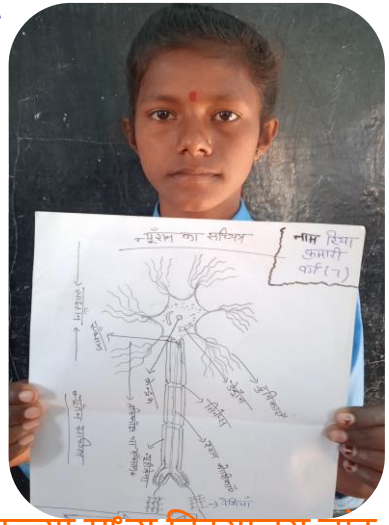

कन्या मध्य विद्यालय चांद

NPS कझार घाट कुदरा

बैगलेस शनिवार

कन्या मध्य विद्यालय चांद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोटा नुआंव

झंडातोलन विशेष

उत्क्रमित मध्य
विद्यालय दुलही चांद

UMS किलनी चांद

UMS जिगना चांद

UMS पाढी
चांद

दर्शनीय स्थल

करमचट डैम

करमचट बांध। इसे दुर्गावती बांध के नाम से भी जाना जाता है। यह सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है, करमचट बांध कैमूर और रोहतास जिले की सीमा के साथ करमचट गांव के पास एक जल भंडारण बांध है जो चेनारी के पास स्थित है और सासाराम से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय का दृश्य वास्तव में मंत्रमुग्ध कर देने वाला और मनोहारी होता है।बिहार सरकार ने यहां रिवर सफारी शुरू की है जो अपने आप में अनूठी है।

कविता

गणतंत्र दिवस मनाएं*

आओ हम सब मिलकर
गणतंत्र दिवस मनाएं
तिरंगे को फहराकर हम
जन -गण - मन को गाएं

आज है हमारा राष्ट्रीय त्योहार
जन जन तक संदेशा पहुंचाएं
आज ही के दिन लागू हुआ था
हमारा संविधान सबको बताएं

अंग्रेजों से मुक्त हुआ जब भारत
हम भारतीयों का अभियान बना
बाबा साहब के कर्म कृतार्थ से
भारत का सुन्दर संविधान बना

भारत देश को जब स्वतंत्र
गणराज्य का ऐलान हुआ
26 जनवरी सन 1950 को
लागू हमारा संविधान हुआ

अंग्रेजी हुकूमत से आजादी को
छीनने में बहुतों ने जान गंवाएं हैं
नमन है देश के वीर जवानों को
जो देशहित में सर्वस्व लगाएं हैं

एम० एस० हुसैन "कैमूरी"
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका
कटरा मोहनियां

हमारा पहनावा हमारी संस्कृति

हर भारत के वासी है, भारतीयता है पहचान हमारी।

दुनिया के लोगो के बीच पहनावे से होती पहचान हमारी।।

पश्चिमी फैशन को अपनाना यदि शौक है हमारी।

भारतीय संस्कृति की पहचान है धोती- कुर्ता - पजामा और सूट साड़ी।।

समय के साथ जिस तरह हमारे बच्चे भूल रहे अपनी मूल संस्कृति।

बचपन से ही बच्चों के बीच अपने पहनावे और संस्कृति का ज्ञान है जरूरी।।

जब पार्टी फंक्शन मे जाने को कपड़े दुकान से करते है हम खरीदारी।

तब अपने धर्म स्थल पर जाने को अपनी संस्कृति के अनुरूप ही भारतीय कपड़े भी पहनने को क्यों नही है आदत हमारी।।

धीरज कुमार

आपके कलम से...

रिनाम : शिखा सिंह
वर्ग :11
विद्यालय का नाम : महाबल भृंगनाथ +2 माध्यमिक विद्यालय बहेरा भभुआ

हमारी दुनिया

खेत है खलिहान है,
सर्दी है गर्मी है ।।
रुको न तुम झुको न तुम,
चले चलो बढ़े चलो नई
राह गढ़े चलो ।।
दुनिया है एक, लोग हैं अनेक,।
दुनिया की परंपराओं से, छुपो न तुम हटो न तुम।।

हरी-भरी पेड़ों पर देखो, कैसे
चिड़ियाँ बैठी हैं।
हमें बात अपनी, बोली में, क्या
संदेश देती हैं ।।

आँखों से देखी बातों पर, तुम्हें
यकीन करना है।
न आँखों से देखी तो, करना
नहीं किसी की बुराई ।।

पृथ्वी पर लोगों को देखो, कैसे
सुखी सम्पन्न हैं।
अँग्रेजों के गुलामी से, भी
लड़कर आजादी पाए हैं ।।

आसमान है नीला-नीला, कैसा
पंछी उड़े गगन में।

देखो कैसे एक दूसरे को हाँथ पकड़े ।।

महापुरुषों से सिख सिखो, कैसे
आगे बढ़ना है।

— शिखा

बेटी का महत्व

बेटी को लोग रखते हैं करके हार में कैद,
क्योंकि बेटी ही वह रत्न है जो देश चलाती है।

सुनो देश के लोगों बेटियों को तुम
पढ़ाओ,
बेटियों को पढ़ाकर देश आगे बढ़ाओ।

किसी न किसी परिवार को बेटी ही है बनाती
और वह अपने सपनों को है सजाती ।

बेटी ही है माँ, बहन और दुल्हन
बेटी से ही संसार बना है ।

बेटी को सिखाओ तुम अपनी रक्षा करना
क्योंकि आजकल दुनिया में बेटी पर है खतरा ।

लोग सोचते हैं बेटा बहुत अनमोल होता
है,
पर लोग ये क्यों नही सोचते कि बेटी से
ही बेटा होता है।

खेल कॉर्नर

जयंती विशेष 11 फरवरी

राकेश कुमार

थॉमस अल्वा एडीसन [महान वैज्ञानिक]

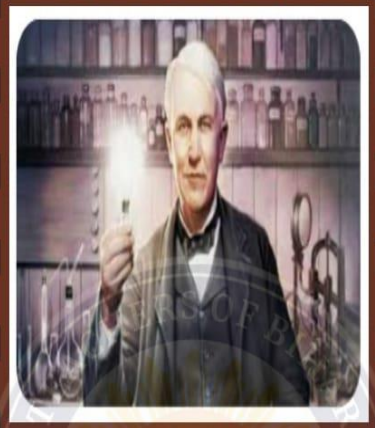

महान अमेरिकन आविष्कारक और व्यवसायी थॉमस एल्वा एडिसन का जन्म 11 फरवरी 1847 को हुआ था. उनके नाम 1,093 पेटेंट हैं. जो उनकी मेहनत को दर्शाते हैं. आज दुनिया उनके आविष्कार का लोहा मानती है. बचपन में गरीबी से गुजरने वाले महान वैज्ञानिक ने कभी हौसला नहीं खोया. वहीं बिजली के बल्ब की खोज इनकी सबसे बड़ी खोज मानी जाती है.

- बिजली के बल्ब के आविष्कार करने में उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी. एडिसन बल्ब बनाने में 10 हजार बार से अधिक बार असफल हुए. जिसपर उन्होंने कहा 'मैं कभी नाकाम नहीं हुआ बल्कि मैंने 10,000 ऐसे रास्ते निकाले लिए जो मेरे काम नहीं आ सके'.

इनकी मृत्यु 18 अक्टूबर 1931 को हुई।

कब हुई खेलो इंडिया की शुरुआत ?

अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेल में भागीदारी बढ़ाने के लिए बच्चों को स्कूल स्तर से ही तैयार करने में खेलो इंडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 2018 में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स नाम से नई दिल्ली में इस पहली बार शुरुआत हुई। जिसमें खिलाड़ियों का जबरदस्त उत्साह मिला। इसके बाद स्कूल गेम्स का नाम बदलकर 2019 से खेलो इंडिया यूथ गेम्स कर दिया गया। यूथ गेम्स दो श्रेणियों में आयोजित किया जाता है, जिनमें -अंडर -17 वर्ष स्कूली छात्र और अंडर -21 कॉलेज छात्र हिस्सा लेते हैं।

खेलो इंडिया विशेष रूप से भारतीय खेलों के लिए एक गेम चेंजर है। इसमें महिलाओं, बच्चों और ग्रामीण क्षेत्रों के समूहों को भारत की खेल संस्कृति का हिस्सा बनाना है। व्यक्तिगत और स्थानीय क्षेत्र के विकास के साथ राष्ट्रीय विकास के लिए खेल को मुख्यधारा में लाने के लिए इस योजना में समयानुसार बदलाव किया जाता रहा है।

कहानी

!! लालच का फल !!

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

किसी गांव में एक गड़रिया रहता था। वह लालची स्वभाव का था, हमेशा यही सोचा करता था कि किस प्रकार वह गांव में सबसे अमीर हो जाये। उसके पास कुछ बकरियां और उनके बच्चे थे। जो उसकी जीविका के साधन थे।

एक बार वह गांव से दूर जंगल के पास पहाड़ी पर अपनी बकरियों को चराने ले गया। अच्छी घास ढूँढने के चक्कर में आज वो एक नए रास्ते पर निकल पड़ा। अभी वह कुछ ही दूर आगे बढ़ा था कि तभी अचानक तेज बारिश होने लगी और तूफानी हवाएं चलने लगीं। तूफान से बचने के लिए गड़रिया कोई सुरक्षित स्थान ढूँढने लगा। उसे कुछ ऊँचाई पर एक गुफा दिखाई दी। गड़रिया बकरियों को वहीँ बाँध उस जगह का जायजा लेने पहुंचा तो उसकी आँखें फटी की फटी रह गयीं। वहां बहुत सारी जंगली भेड़ें मौजूद थीं।

मोटी- तगड़ी भेड़ों को देखकर गड़रिये को लालच आ गया। उसने सोचा कि अगर ये भेड़ें मेरी हो जाएं तो मैं गांव में सबसे अमीर हो जाऊंगा। इतनी अच्छी और इतनी ज्यादा भेड़ें तो आस-पास के कई गाँवों में किसी के पास नहीं हैं।

उसने मन ही मन सोचा कि मौका अच्छा है मैं कुछ ही देर में इन्हें बहला-फुसलाकर अपना बना लूंगा। फिर इन्हें साथ लेकर गांव चला जाऊंगा।

यही सोचते हुए वह वापस नीचे उतरा। बारिश में भीगती अपनी दुबली-पतली कमजोर बकरियों को देखकर उसने सोचा कि अब जब मेरे पास इतनी सारी हट्टी-कट्टी भेडें हैं तो मुझे इन बकरियों की क्या ज़रुरत

उसने फ़ौरन बकरियों को खोल दिया और बारिश में भीगने की परवाह किये बगैर कुछ रस्सियों की मदद से घास का एक बड़ा गट्ठर तैयार कर लिया.

गट्ठर लेकर वह एक बार फिर गुफा में पहुंचा और काफी देर तक उन भेड़ों को अपने हाथ से हरी-हरी घास खिलाता रहा। जब तूफान थम गया, तो वह बाहर निकला। उसने देखा कि उसकी सारी बकरियां उस स्थान से कहीं और जा चुकी थीं।

गड़ेरिये को इन बकरियों के जाने का कोई अफ़सोस नहीं था, बल्कि वह खुश था कि आज उसे मुफ्त में एक साथ इतनी अच्छी भेडें मिल गयी हैं। यही सोचते-सोचते वह वापस गुफा की ओर मुड़ा लेकिन ये क्या... बारिश थमते ही भेडें वहां से निकल कर दूसरी तरफ जान लगीं। वह तेजी से दौड़कर उनके पास पहुंचा और उन्हें अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगा। पर भेडें बहुत थीं, वह अकेला उन्हें नियंत्रित नहीं कर सकता था... कुछ ही देर में सारी भेडें उसकी आँखों से ओझल हो गयीं।

यह सब देख गड़रिये को गुस्सा आ गया। उसने चिल्लाकर बोला– तुम्हारे लिए मैंने अपनी बकरियों को बारिश में बाहर छोड़ दिया। इतनी मेहनत से घास काट कर खिलाई और तुम सब मुझे छोड़ कर चली गयी... सचमुच कितनी स्वार्थी हो तुम सब। गड़रिया बदहवास होकर वहीं बैठ गया। गुस्सा शांत होने पर उसे समझ आ गया कि दरअसल स्वार्थी वो भेडें नहीं बल्कि वो खुद है, जिसने भेड़ों की लालच में आकर अपनी बकरियां भी खो दीं।

शिक्षा:-
जो व्यक्ति स्वार्थ और लोभ में फंसकर अपनों का साथ छोड़ता है, उसका कोई अपना नहीं बनता और अंत में उसे पछताना ही पड़ता है।
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

गणित कॉर्नर

महत्तम समापवर्तक (HCF)

दो या दो से अधिक संख्याओं का महत्तम समापवर्तक वह बड़ी से बड़ी संख्या है जो उनमें से प्रत्येक को पूरा पूरा विभाजित कर सके।

जैसे -12 के गुणनखंड हैं 1,2,3,4,6,12
18 के गुणनखंड हैं 1,2,3,6,9,18

दोनों के उभयनिष्ठ गुणनखंड हैं- 1,2,3,6

इनमें सबसे बड़ा 6 है। इसे 12 और 18 का महत्तम समापवर्तक कहेंगे।

म.स. निकालने की विधि

1. भाग विधि द्वारा म.स. निकालना

जैसे- 32तथा 56का म.स.-

32) 56 (1
32
24) 32 (1
24
8) 24 (3
24
x

अतः अभीष्ट म.स.=8

Anu Priya, Science Teac
/teachersofbihar

माथा पच्ची

1 मिनट में 5 राज्यों का नाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

G	Y	B	K	E	R	L	A	P	P
O	D	I	S	A	I	O	A	U	A
A	K	H	N	S	O	N	R	N	T
G	U	J	R	A	T	R	I	J	M
W	E	S	T	B	E	N	G	A	L
I	I	B	H	I	T	T	K	B	I
N	E	W	K	A	W	E	R	I	J

चहक

प्रियंका कुमारी वर्ग 3 प्राथमिक विद्यालय खनेठी रामगढ़

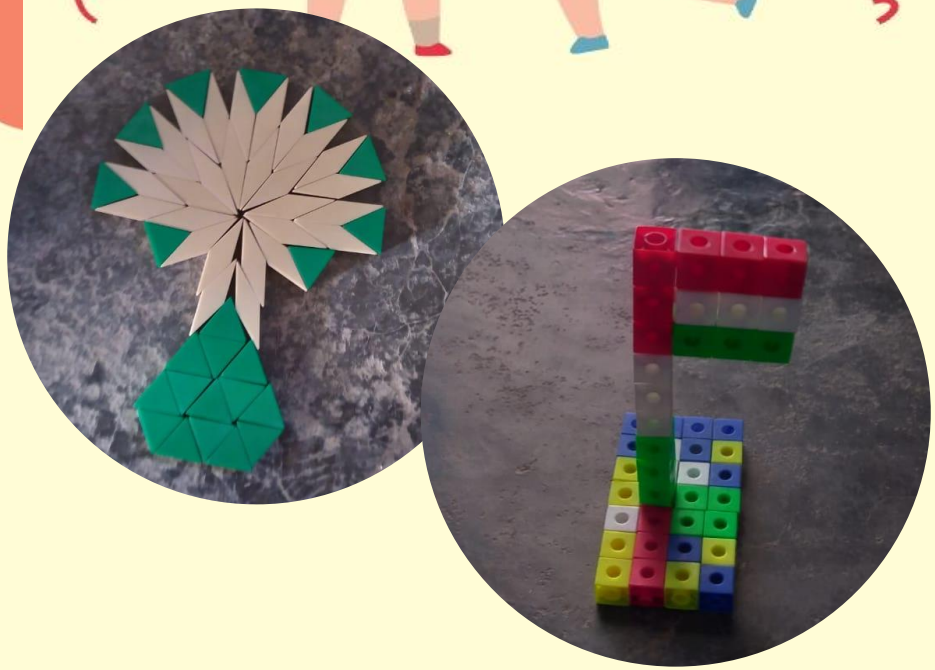

उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा भभुआ

दिवस प्रेरणा 42

तेनजिंग नोरगे

(हिमालय की सर्वोच्च शिखर का पहला अवरोही)

हिम्मते मददे ख़ुदा ...

संघर्ष

मई के महीने में भी हाड़ जमाने वाली ठंड के बीच ऊँची और सीधी चढ़ाई चढ़ने का दुःसाहस करना था। माइनस सताइस डिग्री तापमान में गहरी नरम बर्फ में 28,000 फुट की ऊँचाई पर थे। अभी 1028 फुट और ऊँची चढ़ाई बाकी थी। पाँव टिकाने को जगह नहीं थी। बर्फ को कुदाल से काटकर सीढ़ियां बनानी पड़ रही थी। पाँव जरा सी फिसलने पर सीधे 10,000 फुट नीचे मौत इंतजार कर रही थी। नीचे की ओर देखने पर चक्कर आ जाता था। तभी एक बड़ा बर्फ का बड़ा टुकड़ा उनकी तरफ लुढकता आगे बढ़ा। किसी तरह अपने आप को बचाकर थोड़ी आगे बढ़े। वहाँ ऑक्सीजन सिलिण्डर में कुछ गड़बड़ी हो गयी। शरीर इतना थक गया था कि संभलने के बावजूद फिसल गये। गनीमत रही की बच गये। रास्ते में उन्हें किसी पर्वतारोही की छोड़ी हुई ऑक्सीजन बोतल मिल गई।

सफलता

तेनजिंग नोरगे हिमालय के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति थे। पेशे से वे एक नेपाली शेरपा थे। शेरपा लोग लोग अपने बोझ उठाने और ऊँचे पहाड़ों पर चढ़ने की असाधारण शक्ति के लिए जाने जाते हैं। भारत, नेपाल तथा अन्य देशों में इस फ़तह के लिए उनका स्वागत हुआ। उन्हें उपाधियां दी गई और पुरस्कृत किया गया। भारत सरकार की ओर से एक हिमालय पर्वतारोहण संस्थान' खोला गया और तेनजिंग को उसमें प्रशिक्षक नियुक्त किया गया।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

जयंती विशेष 12 फरवरी

राकेश कुमार

महर्षि दयानंद सरस्वती
[आर्य समाज के संस्थापक एवं समाज सुधारक]

महर्षि दयानन्द सरस्वती (12 फरवरी 1824 मृत्यु - 30 अक्टूबर1883) आधुनिक भारत के चिन्तक तथा आर्य समाज के संस्थापक थे। उनके बचपन का नाम 'मूलशंकर' था। उन्होंने वेदों के प्रचार के लिए मुम्बई में आर्यसमाज की स्थापना की। 'वेदों की ओर लौटो' यह उनका ही प्रमुख नारा था । उन्होने कर्म सिद्धान्त, पुनर्जन्म तथा सन्यास को अपने दर्शन का स्तम्भ बनाया। उन्होने ही सबसे पहले 1876 में 'स्वराज्य' का नारा दिया जिसे बाद में लोकमान्य तिलक ने आगे बढ़ाया। प्रथम जनगणना के समय स्वामी जी ने आगरा से देश के सभी आर्यसमाजी को यह निर्देश भिजवाया कि 'सब सदस्य अपना धर्म ' सनातन धर्म' लिखवाएं।

विज्ञान कॉर्नर

प्रकाश स्रोत (Light Source)

वस्तु या पदार्थ जो प्रकाश उत्सर्जित करते हैं, प्रकाश स्रोत कहलाते हैं ।जैसे सूर्य,तारे,दीपक,बल्ब इत्यादि ।

प्राकृतिक प्रकाश स्रोत (Natural Source of Light)

ऐसे प्रकाश स्रोत जो प्राकृतिक रूप से प्रकाश उत्सर्जित करते हैं ऐसे स्रोत को प्राकृतिक प्रकाश स्रोत कहते हैं । जैसे सूर्य, तारे, जुगनू इत्यादि ।

कृत्रिम प्रकाश स्रोत (Artificial Source of Light)

मानव द्वारा निर्मित प्रकाश स्रोत को कृत्रिम प्रकाश स्रोत कहते हैं । जैसे- विद्युत बल्ब,लैंप,मोमबत्ती इत्यादि ।

प्रकाश किरण(Ray of Light)

किसी प्रदीप्त पदार्थ से प्रकाश सरल रेखाओं मे सभी दिशाओं में जाता है। एक सरल रेखा पर चलने वाले प्रकाश को प्रकाश की किरण(ray) कहते हैं।

किरणपुंज (Beam)

प्रकाश के किरणों के समूह को किरणपुंज कहते हैं ।

www.teachersofbihar. org

Pratibha Pandey

किरणपुंज (Beam)

किरणपुंज मुख्यत: तीन प्रकार के होते हैं -

(a) अपसारी किरणपुंज (Diverging Beam)

अपसारी किरणपुंज में प्रकाश की किरणें एक बिंदु-स्रोत से निकल कर फैलती चली जाती हैं ।

अपसारी किरणपुंज

(2) समांतर किरणपुंज (Parallel Beam)

समांतर किरणपुंज में प्रकाश की किरणें एक-दूसरे के समांतर होती हैं ।

समांतर किरणपुंज

(3) अभिसारी किरणपुंज(Converging Beam)

अभिसारी किरणपुंज में प्रकाश की किरणें एक बिंदु पर आकर मिलती हैं या मिलती हुई प्रतीत होती हैं ।

अभिसारी किरणपुंज

प्रकाश से संबंधित पद

आपतित किरण (Incident Ray)

किसी सतह पर पड़ने वाली किरण को आपतित किरण कहते हैं ।

आपतन बिंदु (Point of Incidence)

जिस बिंदु पर आपतित किरण सतह से टकराती है,उसे आपतन बिंदु कहते हैं ।

परावर्तित किरण (Reflected Ray)

जिस माध्यम(जैसे-हवा) में चल कर आपतित किरण सतह पर आती है उसी माध्यम में लौट गई किरण को परावर्तित किरण कहते हैं ।

अभिलंब (Normal)

किसी समतल सतह के किसी बिंदु पर बनाए गए लंब को अभिलंब कहते हैं ।

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

न्यू प्राथमिक विद्यालय सितमपुरा भभुआ

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोनडीहरा भभुआ

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

UMS सिलौटा

योगाभ्यास ums padhi

UMS चंदा चांद

बालमन चांद से संकलित

पर्यावरण अध्ययन कोना

Teachers of Bihar
The Change Makers

CLASS 3
EVS

ToB TLM - 27

पानी

* पृथ्वी पर पानी सभी जीव- जंतुओं और मनुष्य के लिए एक बहुमूल्य संपदा है।
* इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।
* पानी दो प्रकार का होता है- मीठा पानी और खारा पानी।
* मीठा पानी पीने योग्य होता है जबकि खारा पानी हम नहीं पी सकते यह ज्यादातर समुंद्र मे पाया जाता है।
* पानी के द्वारा बिजली भी उत्पन्न की जाती है।
* हमारी पृथ्वी पर 71% पानी है लेकिन पीने के लिए यह केवल 3% योग्य है।
* पेड़-पौधों को भी पानी की आवश्यकता होती है।
* पानी का मुख्य स्रोत झरना, नदी, तालाब, ट्यूबवेल आदि हैं।

पानी की बचत:- (क) नल को खुला ना छोड़े।
(ख) नहाने के लिए शावर की जगह बाल्टी का उपयोग करें।
(ग) पौधों में पानी पाइप की जगह वाटर कैन का उपयोग करें।
(घ) घर में पानी का मीटर लगवाएं।

पुनीता कुमारी

Know it

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

इंद्रिय जनित गामक अवस्था

इंद्रिय जनित गामक अवस्था इस अवस्था की अवधि जन्म से 2 वर्ष तक मानी जाती है। मानसिक क्रियाएं इंद्रियों जनित गामक क्रियाओं के रूप में संपन्न होते हैं। भूख लगने की स्थिति को बालक रो कर व्यक्त करता है इस अवस्था में व्यक्ति आंख, कान एवं नाक से सोचता है।

STUDENT OF THE MONTH

बालमन कैमूर पत्रिका की और से बहुत बहुत बधाई

Student of the month

नाम : आयुष कुमार

वर्ग : 4

विद्यालय : प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर

प्रखंड : मोहनियां

जिला : कैमूर

उपलब्धि : कम उम्र में लगातार अच्छी पेंटिंग और वर्ग में सक्रियता

TEACHER OF THE MONTH

बालमन कैमूर पत्रिका के तरफ से
बहुत बहुत बधाई

TEACHER of THE MONTH
february 2023

शिक्षक परिचय

नाम- अशोक कुमार
विद्यालय का नाम:- न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया नुआव कैमूर
ब्लॉक:-नुआव
जिला:- कैमूर
अध्यापन वर्ग:-1,2, 3,,4,5
अध्यापन विषय:- हिंदी, गणित
उपलब्धि :- माइक्रो इंप्रूवमेंट नवाचारी शिक्षा हेतु चयनित वीडियो।इसके आलाव
नवाचारी शिक्षा मे एक अलग सोच के साथ tlm ,कविता,गतिविधि निर्माण।

चयनित वीडियो से संबंधित

(1) चुनौती:- वर्ग 2 में हिंदी सिखाते समय बच्चों को छोटे-छोटे शब्द बनाने एव
पढ़ने में कठिनाई होती थी। मेरे द्वारा बहुत ही प्रयास किया गया इसके बावजूद
बच्चों का मन अधिगम के प्रति नहीं लगता था। बच्चे खेलने कूदने और चित्र बना
में अधिक मन लगाते
थे।

(2) उठाए गए कदम:- बच्चों के मनोभाव को देखते हुए मैंने वर्ग कक्ष को क्रिएटि
बनाने के लिए सोचा। मैंने बच्चों को खेल खेल में और रोचकता के साथ अधिगम
प्राप्ति हेतु स्वनिर्मित एक टी एल एम का निर्माण किया। मैंने t.l.m. कबाड़ से
जुगाड़ से बनाया। इस टी एल एम के माध्यम से बच्चे स्वत: करके सीखें। बच्चे खे
खेल में इसे स्पर्श करके सीखें। सभी बच्चे ध्यानपूर्वक छोटे-छोटे शब्द बनाना सी
गए। यह टी एल एम बच्चों को छोटे-छोटे शब्द सिखाने के लिए कारगर सिद्ध हुआ

(3) प्रभाव:- मेरे द्वारा बनाए गए कबाड़ से जुगाड़ द्वारा टी एल एम से बच्चों को
प्रत्यक्ष रूप में प्रभाव पड़ा। बच्चे इस टी एल एम को अपने हाथों से स्पर्श करके
स्वयं करके ,चरखी को घुमाकर शब्द बनाना सीखें। टी एल एम का प्रभाव बच्चे
को सीखने सिखाने में कारगर सिद्ध हुआ।
(a) बच्चे एक्टिव होकर सीखें।
(b) बच्चे खेल खेल में शब्द बनाना सीखें।
(c) बच्चे स्वयं करके सीखें।
(d) बच्चे में क्रिएटिविटी की अवधारणा का विकास हुआ।
(e) लगभग सभी बच्चे ने छोटे-छोटे शब्द बनाना आसानी से सीख लिए।

नई पहल -- स्कूल डायरी

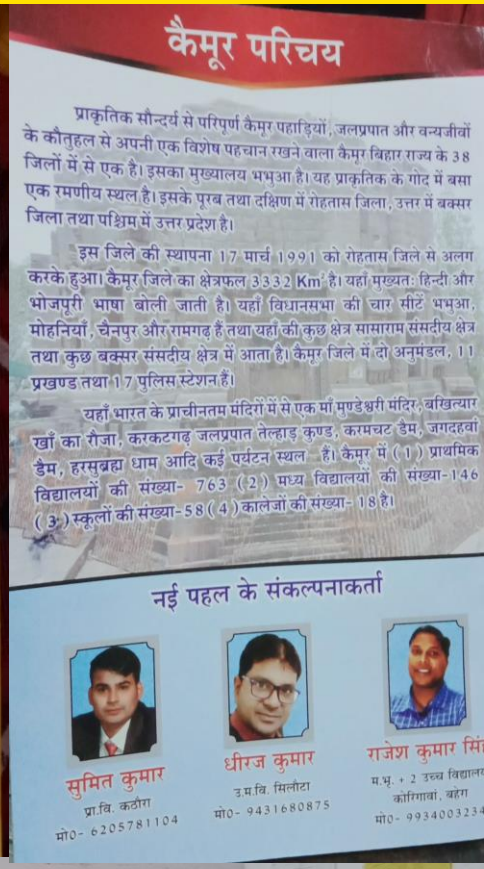

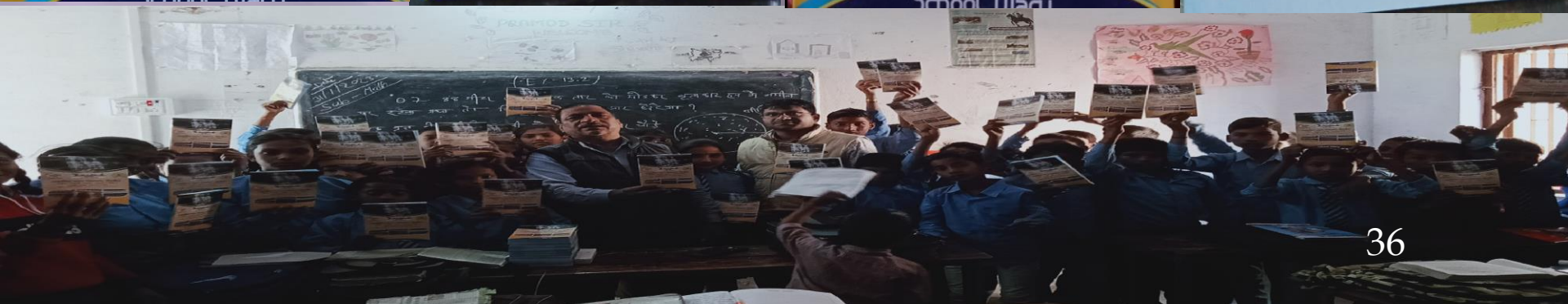

खुद को परखें (सामान्य ज्ञान)

ताज महोत्सव कब मनाया जाता है ?

C.N.G.का विस्तारित नाम/फुल फॉर्म क्या है?

निम्न में कौन एक सम अभाज्य संख्या है ?

" दिल्ली चलो " का नारा किसने दिया

Thank You

अपने सुझाव और जवाब मोबाइल नंबर
9431680675 पर दे सकते है।